एम.पी.ए.

एम.ए. (लोक प्रशासन)
द्वितीय वर्ष

सत्रीय कार्य
2018-19

एम.ए. लोक प्रशासन द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रमों के लिए
जुलाई 2018 और जनवरी 2019 सत्रों के लिए

एम.पी.ए.–15 : लोक निति और विश्लेषण
एम.पी.ए.–16 : विकेंद्रीकरण और स्थानिय शासन
एम.पी.ए.–17 : इलैक्ट्रॉनिक शासन
एम.पी.ए.–18 : आपदा प्रबंधन
एम.एस.ओ.–002 : शोध पद्धतियाँ और विधियाँ
एमपीएस–003 : भारत : लोकतंत्र एवं विकास

लोक प्रशासन संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-110 068

सत्रीय कार्य
2018-2019

प्रिय विद्यार्थी,

आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम में एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य अनिवार्य हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित है।

सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर आप अपने शब्दों में दें। यह अत्यंत आवश्यक है कि प्रश्न का उत्तर जितने शब्दों में देने के लिए कहा जाए उसका उत्तर लगभग उतने ही शब्दों में दीजिए।

सत्रीय कार्य पूरा करने के बाद आप इसे अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास जमा करें। सत्रीय कार्य जमा करने के बाद इसकी पावती अवश्य प्राप्त कर लें और इसे अपने पास संभाल कर रख लें। अच्छा हो कि आप अपने सत्रीयकार्यों के उत्तर की फोटोकॉपी भी अपने पास रख लें।

सत्रीयकार्यों के उत्तर जाँचने के बाद जाँचे गये उत्तर अध्ययन केन्द्र से आपको लौटा दिए जाएँगे। आप इसकी माँग अवश्य करें। अध्ययन केन्द्र आपके द्वारा प्राप्त अंक विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, दिल्ली को भेज देगा। इसे आपके ग्रेड कार्ड में शामिल कर लिया जाएगा।

सत्रीय कार्य जमा करना

आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि सत्रांत परीक्षा देने से पहले आप सत्रींय कार्य अवश्य जमा करा दें। इसलिए आपको यह सलाह दी जाती है कि आप इसे दी गई अवधि के भीतर पूरा कर लें। एम.ए. प्रथम वर्ष में आपको कुल मिलाकर 4 सत्रीय कार्य करने हैं। सभी सत्रीयकार्यों की जमा करने की अंतिम तारीख में आपको काफी समय दिया गया है लेकिन आपको हम यह सलाह देना चाहते हैं कि आप अपने पाठ्यक्रम के अध्ययन के साथ-साथ इसे बारी बारी से पूरा करते चलें और इसी हिसाब से आप उसे जमा भी करते जाएँ ताकि आपको अंक, परामर्शदाता की टिप्पणी और मूंल्याकित सत्रीय कार्य मिलते रहें। सुनियोजित ढंग से योजना बनाकर आप निर्धारित अवधि के भीतर अपने सारे सत्रीय कार्य पूरे कर सकते हैं। सभी सत्रीयकार्यों को जमा करने के लिए अंतिम तारीख का इंतजार नहीं करें क्योकि एक ही साथ सारे सत्रीयकार्यों को हल करना आपके लिए मुश्किल हो जाएगा।

सत्र	सत्रीय कार्य जमा करने की तारीख	सत्रीय कार्य जमा करने का स्थान
जुलाई 2018 सत्र के विद्यार्थियों के लिए	**31 मार्च 2019**	अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास
जनवरी 2019 सत्र के विद्यार्थियों के लिए	**30 सितम्बर 2019**	अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास

सवालों का जवाब देने से पहले नीचे दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िएः

सत्रीय कार्य के लिए निर्देश

इन सत्रीय कार्यों में दो तरह से सवाल पूछे जाएँगेः

1) प्रत्येक विवरणात्मक और निबंधात्मक प्रश्नों का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना होगा और प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक निर्धारित होंगे।

2) प्रत्येक लघु श्रेणी प्रश्नों का उत्तर लगभग 250 शब्दों में देना होगा और प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे।

निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखने से आपके लिए उत्तर देना आसान होगाः

क) **नियोजन :** सत्रीय कार्यों को ध्यान से पढ़िए। उन इकाइयों को ध्यान से पढ़िए जिनसे ये सवाल पूछे गए हैं। प्रत्येक सवाल का जवाब देने के लिए कुछ प्रमुख बिन्दुओं को अलग से लिख लें और इन्हें तार्किक ढंग से फिर से व्यवस्थित कर लें।

ख) **चयन :** अपने जवाब की रूपरेखा बनाते समय जरूरी बातों का ही उल्लेख करें। उत्तर को विश्लेषणात्मक बनाएँ। निबंधात्मक प्रश्न में प्रस्तावना और निष्कर्ष अवश्य शामिल करें। प्रस्तावना के अन्तर्गत उत्तर के प्रमुख पक्षों को प्रस्तुत करें और यह बताएँ कि आप इस सवाल का जवाब किस तरह से देने जा रहे हैं। अपने उत्तर के उपसंहार में मुख्य बिन्दुओं का सार भी दें।

उत्तर देते वक्त इस बात का ध्यान रखें किः

- आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो,
- वाक्यों और अनुच्छेद के बीच स्पष्ट संबंध हो,
- आपकी शैली, अभिव्यक्ति और प्रस्तुति के साथ-साथ आपके उत्तर भी सही हों
- यह चेष्टा करें कि आपके उत्तर शब्द सीमा से अधिक न हों।

ग) **प्रस्तुति :** जब आप संतुष्ट हो जाएँ तो सत्रीय कार्य जमा करने से पहले इसे साफ-साफ लिख लें। जिन बिंदुओं पर आप बल देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित भी कर सकते हैं।

घ) **व्याख्या :** इतिहास लेखन में व्याख्या एक निंरतर प्रक्रिया है। यह आपकी योजना और चयन में पहले ही अभिव्यक्त हो चुका है। "हो सकता है", "संभव है", "हो सकता था", आदि जैसी व्याख्यात्मक टिप्पणियाँ खुद ब खुद लेखन में व्याख्या के तथ्य शामिल कर लेती हैं। यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि इस प्रकार की टिप्पणियों के साथ-साथ आपके उत्तर में इसे पुष्ट करने वाले तथ्य भी शामिल होने चाहिए।

एम.पी.ए.–15 : लोक निति और विश्लेषण

सत्रीय कार्य

(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–15

सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए.–15/टी.एम.ए./2018-19

पूर्णांक : 100

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग–I

1. लोक नीति की प्रकृति एवं चरणों की चर्चा कीजिए।

2. लोक नीति के निरूपण की मुख्य बाध्यताएँ क्या हैं?

3. तर्कसंगत नीति–निर्माण प्रतिमान का परीक्षण कीजिए तथा नीति के क्षेत्र में उसकी प्रासंगिकता को उजागर कीजिए।

4. 'सरकारी–नागरिक समाज सहभागिता के अवरोध, नीति–निर्माण की मुख्य चुनौतियाँ हैं'। इस कथन का परीक्षण कीजिए तथा प्रभावशाली भागीदारी के आवश्यक उपाय सुझाइये।

5. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लगभग 250 शब्दों में लिखें :

   क) अंतर–सरकारी संगठनों के प्रतिमान

   ख) नीति–निर्माण में प्रधानमंत्री कार्यालय की भूमिका

भाग–II

6. नीति विश्लेषण की प्रक्रिया का विवरण कीजिए।

7. नीति नियंत्रण की तकनीकों की चर्चा कीजिए।

8. विधायिका और न्यायपालिका नीति कार्यान्वयन पर क्या प्रभाव डालते हैं?

9. नीति मूल्यांकन में समस्या क्षेत्रों का परीक्षण कीजिए।

10. भारत में केंद्रीय सार्वजनिक उद्यम में विनिवेश की प्रक्रिया का विश्लेषण कीजिए।

एम.पी.ए.–16 : विकेंद्रीकरण और स्थानिय शासन
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–16
सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए.–16/टी.एम.ए./2018-19

पूर्णांक : 100

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग–I

1. भारत में लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण के संवैधानिक आयामों की चर्चा कीजिए।

2. समकालीन परिदृश्य में सभी स्तरों पर समन्वयं के महत्त्व को उजागर करते हुए प्रशासनिक विकेंद्रीकरण की व्याख्या कीजिए।

3. विकेंद्रीकरण के राजनीतिक–प्रशासनिक घटकों को उजागर कीजिए तथा उन्हें दृढ़ बनाने के उपाय सुझाइये।

4. स्थानीय प्राधिकरणों के बीच भागीदारी तथा दूरसंचार क्षेत्र में विशेष प्रयोजन एजेंसियों का परीक्षण कीजिए।

5. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लगभग 250 शब्दों में लिखें :

   क) लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण का महत्त्व

   ख) सामाजिक परिवर्तन में पंजायती राज संस्थाओं की उपकरण के रूप में भूमिका

भाग–II

6. अंतर–स्थानीय सरकारी संबंधों पर एक टिप्पणी लिखिये।

7. विकास आयोजन में मूलभूत आवश्यकताएँ क्या हैं?

8. 'नगर पालिकाएँ स्थानीय स्वशासन की एक प्रभावशाली संस्था के रूप में कार्य कर रही हैं'। परीक्षण कीजिए।

9. स्थानीय निकायों के संसाधनों का विवरण कीजिए तथा राज्य वित्त आयोग की भूमिका को उजागर कीजिए।

10. सतत् विकास को परिभाषित कीजिए तथा उसकी मुख्य चुनौतियों का विस्तृत वर्णन कीजिए।

एम.पी.ए.–17 : इलैक्ट्रॉनिक शासन
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–17

सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी./एम.पी.ए./टी.एम.ए./2018-19

पूर्णांक : 50

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

भाग–I

1. ई–शासन (ई–गवर्नेंस) की अवधारणा तथा उसके प्रतिमानों (मॉडलों) की चर्चा कीजिए।

2. कंप्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर की चर्चा कीजिए।

3. प्रबंधन सूचना प्रणाली (MIS) पर एक टिप्पणी लिखिए।

4. 'प्रशासन के पारस्परिक कार्य पद्धति में सूचना एवं संचार एक इलैक्ट्रॉनिक परिवर्तन लाती है' विस्तृत वर्णन कीजिए।

5. कृषि विभाग के आधुनिकीकरण ने सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी की भूमिका का विवरण कीजिए।

भाग–II

6. 'ई–अधिगम, मूल रूप से इंटरनेट के माध्यम से अधिगम का वितरण है।' चर्चा कीजिए।

7. ई–वाणिज्य की अवधारणा तथा इलैक्ट्रॉनिक भुगतान की विभिन्न प्रणालियों की व्याख्या कीजिए।

8. राष्ट्रीय ई–गवर्नेंस योजना के अंतर्गत सामान्य सेवा केंद्रों की अवधारणा तथा कार्य पद्धति की व्याख्या कीजिए।

9. भारतीय रेलवे में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगी से हुए आधुनिकीकरण की संक्षिप्त में चर्चा कीजिए।

10. भारतीय रेलवे के आधुनिकीकरण में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों की संक्षिप्त में चर्चा कीजिए।

एम.पी.ए.–18 : आपदा प्रबंधन
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–18
सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए.–18/टी.एम.ए./2018-19

पूर्णांक : 50

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

भाग–I

1. प्रमुख पर्यावरण संबंधी समस्याओं का विवरण कीजिए।

2. टी.डी.आर.एम. उपागम के मुख्य उद्देश्यों की चर्चा कीजिए तथा इस उपागम के सफल क्रियान्वयन के सक्षम तंत्रों को उजागर कीजिए।

3. आपदा प्रबंधन के प्रमुख प्रचलन पर प्रकाश डालिए।

4. संवेदनशीलता विश्लेषण पर एक टिप्पणी लिखिये।

5. न्यूनीकरण के समस्या क्षेत्रों की चर्चा कीजिए तथा न्यूनीकरण के मार्गदर्शी सिद्धांतों का विवरण कीजिए।

भाग–II

6. विभिन्न बचाव के तरीकों की व्याख्या कीजिए।

7. अस्थायी आश्रय प्रावधान के दस बिंदुओं के दिशा–निर्देश की चर्चा कीजिए।

8. राहत वितरण के सम्मुख आने वाली समस्याओं को स्पष्ट कीजिए।

9. प्रथम प्रतिक्रिया के तर्क की चर्चा कीजिए।

10. आपदा प्रबंधक की भूमिका एवं कार्यों का विवरण कीजिए।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
एमएसओ-002 : शोध पद्धतियाँ और विधियाँ
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए)

कार्यक्रम कोड : एमएसओ
पाठ्यक्रम कोड : एमएसओ-002
सत्रीय कार्य कोड : एमएसओ-002/सत्रीय कार्य/टीएमए/2018-19

कुल अंक : 100

अधिभारिता : 30%

दोनों भागों के प्रश्नों उत्तर दीजिए।

भाग - क

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** के उत्तर दीजिए।

1. ''घटनाविज्ञान'' क्या है? घटनाविज्ञान संबंधी अध्ययनों में मार्टिन हेडेग्गर के योगदान की चर्चा कीजिए। 25

2. सामाजिक वास्तविकता को समझने में नारीवादी दृष्टिकोण की आलोचनात्मक जाँच कीजिए। 25

3. जनगणना की तुलना में प्रतिचयन के फायदे क्या है? प्रायिकता प्रतिचयन विधि के विविध प्रकारों का वर्णन कीजिए। 25

4. 'शोध की रूपरेखा' क्या है? शोध की रूपरेखा तैयार करते समय किन बिंदुओं को ध्यान में रखना जरूरी है? वर्णन कीजिए। 25

5. 'सहभागी प्रेक्षण' क्या है? इसकी प्रासंगिकता की चर्चा क्षेत्र–आधारित शोध की एक तकनीक के रूप में कीजिए। 25

भाग - ख

निम्नलिखित विशयवस्तुओं में से किसी ***एक*** पर लगभग 3000 शब्दों में शोध रिपोर्ट लिखिए।

1. महिला सशक्तीकरण के एक साधन के रूप में व्यावसायिक शिक्षा 50

2. भारत में ग्रामीण युवाओं द्वारा सामाजिक मीडिया का प्रयोग 50

3. खबरों की सामाजिक संरचना 50

आप इस रिपार्टे को साहित्य की समीक्षा या प्राथमिक स्रोतों से संग्रहित आँकड़ों के आधार पर लिख सकते हैं।

साहित्य की समीक्षा के लिए आपको, अपनी पसंद के चयनित विषय पर हाल ही में प्रकाशित दो पुस्तकों या चार शोध लेखों का चयन करना होगा। अध्ययन की

अवस्थिति और इन अध्ययनों में प्रयुक्त प्रविधि और इन अध्ययनों के मुख्य परिणामों को ध्यान में रखते हुए समीक्षा लेख लिखिए।

प्राथमिक स्रोत के लिए आपको दो केस अध्ययन करने होंगे और चयनित विषयवस्तु पर रिपोर्ट तुलनात्मक ढाँचें में लिखें। रिपोर्ट लेखन के दौरान अध्ययन के उद्देश्यों और सम्मुख आने वाली समस्याओं को स्पष्ट रूप से व्यक्त करें और

- वर्तमान/उपलब्ध साहित्य के दायरे में मुद्दे को एक समस्या के रूप में अभिव्यक्त करें,
- अपने प्रेक्षणों, निष्कर्षों एवं परिणामों को खोल कर समझाएं एवं ठोस रूप से इनकी प्रस्तुति करें, और
- उचित सदंर्भ (बिंदुओं) का उल्लेख अंत में करें।

एमपीएस–003 : भारत : लोकतंत्र एवं विकास
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एमपीएस-003
सत्रीय कार्य कोड : एएसएसटी/टीएमए/2018-2019
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. स्वराज पर गांधीवादी दृष्टिकोण और भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में उसके प्रभावों का विश्लेषण कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रत्येक पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिएः
   क) जन–हित याचिकाओं का महत्व
   ख) सुशासन के रूप में लोकतंत्र

3. 73वें और 74वें संवैधानिक संशोधनों के मुख्य प्रावधानों की चर्चा कीजिए और उनकी क्या सीमायें हैं?

4. जातीयता की अभिव्यक्ति (manifestation of ethinicity) के विभिन्न स्वरूपों पर चर्चा कीजिए।

5. निम्नलिखित प्रत्येक पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिएः
   क) भारतीय राजनीति को अधिक लोकतोत्रिक बनाने हेतु नये राजनीतिक दलों का उद्भव
   ख) सामाजिक असमानता राजनीतिक प्रणाली और विकास नीतियों को प्रभावित करती है

भाग – II

6. निम्नलिखित प्रत्येक पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिएः
   क) भारतीय लोकतंत्र में गैर–सरकारी संगठनों की भूमिका
   ख) विकास में महिला (WID) दृष्टिकोण

7. निम्नलिखित प्रत्येक पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिएः
   क) सतत् विकास
   ख) आंतरिक अन्तरण एक उत्पादक अर्थव्यवस्था की दिशा में योगदान देता है

8. भारत में कामगार वर्ग पर नई आर्थिक नीति के प्रभाव का परीक्षण कीजिए।

9. निम्नलिखित प्रत्येक पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिएः
   क) भारत में धार्मिक राजनीति
   ख) मौलिक लोकतंत्र

10. लोकतन्त्र और विकास एक–दूसरे से संबंधित है? व्याख्या कीजिए।